Vol 4 Issue 5 Feb 2015

ISSN No : 2249-894X

Monthly Multidisciplinary Research Journal

Review Of Research Journal

Chief Editors

Ashok Yakkaldevi
A R Burla College, India

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Welcome to Review Of Research

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2249-894X**

Review Of Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial Board readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Advisory Board

Flávio de São Pedro Filho
Federal University of Rondonia, Brazil

Kamani Perera
Regional Centre For Strategic Studies, Sri Lanka

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Fabricio Moraes de AlmeidaFederal
University of Rondonia, Brazil

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Xiaohua Yang
University of San Francisco, San Francisco

Karina Xavier
Massachusetts Institute of Technology (MIT), USA

May Hongmei Gao
Kennesaw State University, USA

Marc Fetscherin
Rollins College, USA

Liu Chen
Beijing Foreign Studies University, China

Mabel Miao
Center for China and Globalization, China

Ruth Wolf
University Walla, Israel

Jie Hao
University of Sydney, Australia

Pei-Shan Kao Andrea
University of Essex, United Kingdom

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Ilie Pintea
Spiru Haret University, Romania

Mahdi Moharrampour
Islamic Azad University buinzahra Branch, Qazvin, Iran

Titus Pop
PhD, Partium Christian University, Oradea,
Romania

J. K. VIJAYAKUMAR
King Abdullah University of Science & Technology,Saudi Arabia.

George - Calin SERITAN
Postdoctoral Researcher
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences
Al. I. Cuza University, Iasi

REZA KAFIPOUR
Shiraz University of Medical Sciences
Shiraz, Iran

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

Nimita Khanna
Director, Isara Institute of Management, New Delhi

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University, Kolhapur

P. Malyadri
Government Degree College, Tandur, A.P.

S. D. Sindkhedkar
PSGVP Mandal's Arts, Science and Commerce College, Shahada [M.S.]

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

C. D. Balaji
Panimalar Engineering College, Chennai

Bhavana vivek patole
PhD, Elphinstone college mumbai-32

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary, Play India Play (Trust),Meerut (U.P.)

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

Jayashree Patil-Dake
MBA Department of Badruka College Commerce and Arts Post Graduate Centre (BCCAPGC),Kachiguda, Hyderabad

Maj. Dr. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

AR. SARAVANAKUMARALAGAPPA
UNIVERSITY, KARAIKUDI,TN

V.MAHALAKSHMI
Dean, Panimalar Engineering College

S.KANNAN
Ph.D , Annamalai University

Kanwar Dinesh Singh
Dept.English, Government Postgraduate College , solan

More.....

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.ror.isrj.org

Review Of Research
ISSN:-2249-894X
Impact Factor : 3.1402(UIF)
Vol. 4 | Issue. 5 | Feb. 2015
Available online at www.ror.isrj.org

कक्षा–ग्यारहवीं के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों के मध्य गणितीय उपलब्धि पर एक तुलनात्मक अध्ययन : बालोद जिले के संदर्भ में

Nisha Shrivastava[1] , Pushpalata Sharma[2] and Dhara Ben[3]

[1]HOD, (Education Department) Ghanshyam Singh Arya Kanya Mahavidyalaya, Durg(C.G.)
[2]Asst.ProfessorEducation Dept. Kalyan post graduate college Bhilai Nagar.(C.G.)
[3](M.Ed. Student) Ghanshyam Singh Arya Kanya Mahavidyalaya, Durg(C.G.)

सारांश :–प्रस्तुत शोध का मुख्य उद्देश्य कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थियों के गणितीय उपलब्धि का अध्ययन करना है गणितीय उपलब्धि मापने के लिए डा. नागप्पा पी. शाहपुर एवं डॉ. के. एम. असलम खान द्वारा निर्मित गणितीय उपलब्धि परीक्षण प्रश्नावली का प्रयोग किया गया। प्रस्तुत अध्ययन हेतु कक्षा–ग्यारहवीं में अध्ययनरत् ग्रामीण एवं शहरी परिवेश के कुल 200 विद्यार्थियों (100 ग्रामीण व 100 शहरी विद्यार्थियों) का चयन किया गया है। अध्ययन द्वारा निष्कर्ष निकाला गया कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों की अपेक्षा शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों की गणित में उपलब्धि अधिक पायी गयी। प्रस्तुत शोध अध्ययन का निष्कर्ष ललितम्मा (1975) तथा मुखर्जी (1997) के शोध अध्ययन की पुष्टि करता है।

प्रस्तावना :–

किसी भी राष्ट्र का जीवन उसकी शिक्षा प्रणाली द्वारा अनुप्राणित होकर जीवन प्राप्त करता है शिक्षा के क्षेत्र में गणित का महत्व अधिक है, वेदांग ज्योतिष के अनुसार जैसे मोरों में शिखा और नागों में मणि का स्थान सबसे ऊपर है, वैसे ही वेदांग और शास्त्रों में गणित का स्थान सबसे ऊपर है। आधुनिक युग में सभ्यता का आधार गणित ही है, गणित को व्यापार का प्राण तथा विज्ञान का जन्मदाता माना गया है। गणित की उन्नति के साथ देश की उन्नति का घनिष्ठ सम्बन्ध है। व्यक्ति आने वाली तरूण पीढ़ी के समक्ष अपने अनुभव एवं मूल्य इस उद्देश्य से रखता है ताकि वे सांस्कृतिक धरोहर की रक्षा कर सके एवं उनके व्यवहार में अपेक्षित परिवर्तन हो। बालक विद्यालय में रहकर जो कुछ भी सीखता है उसे हम उपलब्धि कहते है। ललितम्मा (1975) के अध्ययन के अनुसार गणित में शैक्षिक उपलब्धि को अनेक कारक प्रभावित करते है निष्कर्ष में पाया गया कि छात्राओं की गणित में उपलब्धि छात्रों से कम होती है। ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों की अपेक्षा शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थियों की गणित में उपलब्धि अधिक पााायी गयी। डिक्शनरी ऑफ बिहेवियरल साइन्सेज (वालमेन 1979) के शैक्षिक उपलब्धि को शैक्षिक अथवा शासकीय कार्यो में दक्षता के स्तर के रूप में परिभाषित किया गया है। क्रो एवं क्रो (1948) के अनुसार उपलब्धि से तात्पर्य है कि शिक्षार्थी शिक्षण के किसी क्षेत्र में शिक्षक द्वारा प्रदत्त निर्देशों के द्वारा प्रकट होता है जिस मात्रा में वह प्रदान किये जाने वाले प्रशिक्षण के द्वारा ज्ञान अथवा कौशल का उपार्जन करता है। सुपर (1967) के शब्दों में उपलब्धि परीक्षण का प्रयोग व्यक्ति ने क्या और कितना सीखा तथा वह कोई कार्य कितनी भली भांति कर लेता है, ज्ञात करने के लिए किया जाता है।

गणित एक ऐसा विषय है, जो बालको को एक सामाजिक तथा बुद्विमान नागरिक के रूप में विकसित करने में सहायक है एवं अनुशासन जैसे अन्य गुणों का विकास भी स्वतः हो जाता है इसलिए गणित वर्तमान समय में अत्यंत ही आवश्यक है।

उद्देश्य

1.ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थियों के मध्य गणितीय उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
2.ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के कक्षा ग्यारहवीं के छात्रों के मध्य गणितीय उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
3.ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के कक्षा ग्यारहवीं की छात्राओं के मध्य गणितीय उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
4.ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों के कक्षा ग्यारहवीं के छात्र व छात्राओं के मध्य गणितीय उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।

Nisha Shrivastava[1] , Pushpalata Sharma[2] and Dhara Ben[3] ,"*कक्षा–ग्यारहवीं के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों के मध्य गणितीय उपलब्धि पर एक तुलनात्मक अध्ययन : बालोद जिले के संदर्भ में*" Review of Research | Volume 4 | Issue 5 | Feb 2015 | Online & Print

5.शहरी क्षेत्र के विद्यालयों के कक्षा ग्यारहवीं के छात्र व छात्राओं के मध्य गणितीय उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।

प्रतिदर्श

बालोद जिले के 106 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में से 20 विद्यालयों का चयन यादृच्छिक प्रतिचयन विधि से किया गया है। 20 विद्यालयों में से 200 विद्यार्थियों का चयन लॉटरी विधि से किया गया है। ग्रामीण क्षेत्र के 10 विद्यालयों में से 100 विद्यार्थियों (50 छात्र व 50 छात्राओं) का चयन तथा शहरी क्षेत्र के 10 विद्यालयों में से 100 विद्यार्थियों (50 छात्र व 50 छात्राओं) का चयन लॉटरी विधि द्वारा किया गया है।

परिकल्पना एवं परिकल्पनाओं की पुष्टि

परिकल्पना H_1 – ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यालयों के कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थियों के मध्य गणितीय उपलब्धि पर सार्थक अंतर नही पाया जायेगा।

सारणी क्रमांक–1

ryukRed leg	inRrk dh l[;k	e/;eku	iekf.kd fopyu	Vh eY;
xkeh.k fo|kFkh	100	42-61	12-90	3-814
“kgjh fo|kFkh	100	49-91	14-14	

$df = 198, \quad p < 0.01$

सारणी क्रमांक–1 से स्पष्ट है कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यालयों के कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थियों के मध्य गणितीय उपलब्धि पर सार्थक अंतर पाया गया। अतः परिकल्पना H_1 अस्वीकृत होती है।

परिकल्पना H_2
ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यालयों के ग्यारहवीं के छात्रों के मध्य गणितीय उपलब्धि पर सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

सारणी क्रमांक–2

ryukRed leg	inRrk dh l[;k	e/;eku	iekf.kd fopyu	Vh eY;
xkeh.k fo|kFkh	50	47-48	12-36	0-332
“kgjh fo|kFkh	50	48-32	12-88	

$df = 98, \quad p > 0.01$

सारणी क्रमांक–2 से स्पष्ट है कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यालयों के ग्यारहवीं के छात्रों के मध्य गणितीय उपलब्धि पर सार्थक अंतर नहीं पाया गया। अतः परिकल्पना H_2 स्वीकृत होती है।

परिकल्पना H_3

ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के विद्यालयों के ग्यारहवीं की छात्राओं के मध्य गणितीय उपलब्धि पर सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

सारणी क्रमांक–3

ryukRed leg	inRrk dh l[;k	e/;eku	iekf.kd fopyu	Vh eY;
xkeh.k fo|kFkh	50	37-74	13-43	0-332
"kgjh fo|kFkh	50	51-05	15-28	

df=98, p< 0.01

सारणी क्रमांक–3 से स्पष्ट है कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के विद्यालयों के ग्यारहवीं के छात्राओं के मध्य गणितीय उपलब्धि पर सार्थक अंतर पाया गया। अतः परिकल्पना H3 अस्वीकृत होती है।

परिकल्पना H4

ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयो के कक्षा 11वीं की छात्र व छात्राओं के मध्य गणितीय उपलब्धि पर सार्थक अंतर नही पाया जायेगा।

सारणी क्रमांक– 4

Ø	pj	inRrk dh l[;k	miyfC/k dk e/;eku	iekf.kd fopyu	t
1	xkeh.k Nk=	50	47-48	12-36	3-773
2	xkeh.k Nk=k,	50	37-74	13-43	
Lor=rk v"k df = 98		P<0.01 lkFkd g			

सारणी क्रमांक– 4 से स्पष्ट होता है कि कक्षा ग्यारहवीं के ग्रामीण छात्रों की उपलब्धि का मध्यमान 47.48 व प्रमाणिक विचलन 12.36 है तथा ग्रामीण छात्राओं के उपलब्धि का मध्यमान 37.74 व प्रमाणिक विचलन 13.43 है।

टी मूल्य की सार्थकता ज्ञात करने के लिए स्वतंत्रता कोटि df = 98 के स्तंभ में टी का मान 0.01 में देखने पर सार्थक अंतर पाया गया। अतः परिकल्पना H4 अस्वीकृत होती है।

परिकल्पना H5

शहरी क्षेत्र के विद्यालयो के कक्षा ग्यारहवीं की छात्र व छात्राओं के मध्य गणितीय उपलब्धि पर सार्थक अंतर नहीं पाया जायेगा।

सारणी क्रमांक– 5

Ø	pj	inRrk dh l[;k	miyfC/k dk e/;eku	iekf.kd fopyu	t
1	"kgjh Nk=	50	48-32	12-88	0-945
2	"kgjh Nk=k,	50	51-5	15-28	
Lor=rk v"k df = 98		P<0.01 lkFkd ugh g			

सारणी क्रमांक– 5 से स्पष्ट होता है कि कक्षा ग्यारहवीं के शहरी छात्रों की उपलब्धि का मध्यमान 48.32 व प्रमाणिक विचलन 12.88 है तथा शहरी छात्राओं के उपलब्धि का मध्यमान 51.5 व प्रमाणिक विचलन 15.28 है।

टी मूल्य की सार्थकता ज्ञात करने के लिए स्वतंत्रता कोटि df = 98 के स्तंभ में टी का मान 0.01 में देखने पर सार्थक अंतर पाया गया। अतः परिकल्पना H5 स्वीकृत होती है।

निष्कर्ष एवं सुझाव

प्रस्तुत शोध शोध अध्ययन से स्पष्ट होता है, कि बालोद जिले के ग्रामीण क्षेत्र के कक्षा–11 के विद्यार्थियों की गणितीय उपलब्धि शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों की अपेक्षा निम्न है चूँकि विद्यालयी शिक्षा राज्य का प्रमुख दायित्व है उसमें पाठ्यचर्या का निर्धारण राज्य सरकार ही करती है। अतः केन्द्रीय पाठ्यचर्या में गणित को विशेष महत्व मिलना चाहिए और शैक्षणिक स्तर में सुधार हेतु शासन स्तर पर शैक्षिक नियोजन कर्ताओं को विद्यालय की शिक्षा व्यवस्था तथा शैक्षिक कार्यक्रम में परिवर्तन कर ग्रामीण

विद्यालयों की शैक्षिक आवश्यकताओं का आकलन कर उसके अनुरूप शिक्षा प्रदान करने की व्यवस्था की जानी चाहिए।

ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालयों में ऐसे शैक्षिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाना चाहिए जिसमें गणित को मनोरंजन के माध्यम से प्रस्तुत किया जाए तथा गणित की एक प्रयोगशाला की भी स्थापना की जाए।

इसके साथ ही गणित में प्रशिक्षित अध्यापकों की पर्याप्त संख्या भी अच्छे गणित शिक्षण के लिए आवश्यक है। शिक्षक ही समस्त शैक्षिक प्रमाणी का केन्द्र बिन्दु होती है जिसके उपर विद्यालय शिक्षा का मुख्य भार होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षको की संख्या शहरी क्षेत्रों की अपेक्ष काफी कम होती है शिक्षक को शिक्षण – प्रशिक्षण योग्यता के साथ–साथ विशेष गणित का प्रशिक्षण भी दिया जाना चाहिए।

अनुकरणीय अध्ययन

- कक्षा ग्यारवी के सरकारी तथा गैर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों के मध्य गणितीय उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- ग्रामीण व शहरी उच्चतर विद्यालय के शिक्षको के मध्य गणितीय उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- सरकारी तथा गैर सरकारी महाविद्यालय के शिक्षक व शिक्षिकाओं के मध्य गणितीय उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- सी.बी.एस.ई. बोर्ड व सी.जी. बोर्ड के विद्यार्थियों के मध्य गणितीय उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- सरकारी तथा गैर सरकारी माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों के मध्य गणितीय उपलब्धि का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- ग्रामीण व शहरी महाविद्यालयों के विद्यार्थियो के मध्य गणितीय उपलब्धि का अध्ययन करना।

संदर्भित ग्रंथ

1.Aasthana bipin and nidhi,(2009) educational evaluation
2.Aasthana binin, shriwastav vijay (2011)educational research and statics Agra-2, agrawal publication
3.Ali. R., Akhtar. A., Shahzad, S., Sultana. N. and Ramzan. M. (2011) The Impact of Motivation on Students' Academic Achievement In Mathematics In Problem Based Learning Environment. Internatio
4.Alkhateeb, H.M. (2001) Gender Differences in Mathematicsnal Journal of Academic Research, 3(1), 307-309 Achievement among High School Students in the United Arab Emirates, 1991-2000. School Science and Mathematics, 101(1),
5.Fennema, E.H., and Sherman, J.A. (1978) Sex-related Differences inMathematics Achievement and Related Factors: A further study. Journal for Research in Mathematics Education, 9(3), 189-203.
6.Gakhar and Rajni (2004) Attitude towards Mathematics Scale, Agra. Rakhi Parkashan.
7.Goswami,manoj kumar(2006) teaching of mathematics,New delhi
a.Discovery publication house.
8.Kapil H.K. (1984) Research methods ,Agra bhargav publication.
9.Kaur, J. and Kaur S. (2011) Effect of Concept Attainment Model of Teaching on Mathematical Achievement of Secondary School Students. Journal of Educational Research and Extension, 48(3),37 .
10.Koul, L. (1984) Methodology of Educational Research. New Delhi: Vikas Publishing House-46.
11.Kumar, S.J.V. (2006) Techniques of Teaching Mathematics. Sonali Publications, New Delhi, India. 9-33
12.Mathworld. Wolform.com/
13.Negi J.S. Teaching of Mathematics. 1,57,70-74.
14.Sarin, shashikala and Anjali sarin(2009) Educational Evalution Methods,Agra , Agrawal publication, 118-141.
15.Sharma, R.A. (2013) Fundamental of Educational Research & Statistics Merath, R.Lal book depo.
16.Sharma, R.A. (2012) Educational & Mental Measurement, Merath, R.Lal book depo, 359-378.
17.Sharma H. Teaching of Mathemtics , Radha prakashan.
18.Saxsena N. R. Swarup & Chaturvedi S.(2004) Teacher in Emerging Indian Society. Merath, R.Lal book depo.

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal
For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Books Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- Directory Of Research Journal Indexing
- International Scientific Journal Consortium Scientific
- OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- DOAJ
- EBSCO
- Crossref DOI
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database

Review Of Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.ror.isrj.org